

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

....

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1877
दिनांक 31 जुलाई, 2025 को उत्तरार्थ

दैनिक बिजली की आवश्यकता और उत्पादन

1877. श्री भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे:

श्री बजरंग मनोहर सोनवणे:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में प्रतिदिन कितनी यूनिट बिजली की आवश्यकता है और उसका कितने यूनिट का उत्पादन होता है;

(ख) क्या देश वर्तमान में ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर है और यदि हों, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार का विचार कोयले से ऊर्जा उत्पादन बंद करके केवल आवश्यकतानुसार बिजली उत्पादन शुरू करने का है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है; और

(घ) उक्त प्रस्ताव के पूर्ण रूप से कब तक क्रियान्वित होने की संभावना है?

उत्तर

विद्युत राज्य मंत्री
(श्री श्रीपाद नाईक)

(क) : पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष (जून, 2025 तक) के लिए विद्युत की औसत आवश्यकता एवं प्रतिदिन उत्पादन (एमयू/दिन) का विवरण **अनुबंध-I** पर दिया गया है।

(ख) : देश में विद्युत की पर्याप्त उपलब्धता है। देश की वर्तमान संस्थापित उत्पादन क्षमता 484.819 गीगावाट है। भारत सरकार ने अप्रैल, 2014 से 260.784 गीगावाट नई उत्पादन क्षमता जोड़कर विद्युत की कमी जैसी गंभीर समस्या का समाधान किया है, जिससे देश विद्युत की कमी से विद्युत पर्याप्तता की स्थिति में परिवर्तित हो गया है।

पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष 2025-26 (जून, 2025 तक) के दौरान ऊर्जा के संदर्भ में विद्युत आपूर्ति की स्थिति का विवरण **अनुबंध-II** पर दिया गया है।

ये विवरण दर्शाते हैं कि देश में विद्युत की बेहतर उपलब्धता के साथ, ऊर्जा आवश्यकता और आपूर्ति के बीच का अंतर वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान घटकर केवल 0.1% के मामूली स्तर पर आ गया है और वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 (जून, 2025 तक) के दौरान और भी कम होकर लगभग शून्य हो जाएगा।

(ग) और (घ) : भारत सरकार ने गैर-जीवाश्म स्रोतों से क्षमता वृद्धि को उच्च प्राथमिकता दी है। मई, 2023 में अधिसूचित राष्ट्रीय विद्युत योजना (उत्पादन) के अनुसार, कोयला आधारित संस्थापित क्षमता का हिस्सा, जो जून, 2025 में लगभग 46% है, वर्ष 2031-32 में घटकर लगभग 30% होने की संभावना है। हालाँकि, कोयले से ऊर्जा उत्पादन बंद करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

वर्ष 2034-35 तक अनुमानित तापविद्युत (कोयला और लिंगनाइट) क्षमता की आवश्यकता को पूरा करने के लिए, विद्युत मंत्रालय ने न्यूनतम 97,000 मेगावाट अतिरिक्त कोयला और लिंगनाइट आधारित तापविद्युत क्षमता स्थापित करने की परिकल्पना की है। अप्रैल, 2023 से जून, 2025 तक लगभग 11,680 मेगावाट की तापविद्युत क्षमताएँ पहले ही चालू हो चुकी हैं। इसके अतिरिक्त, 38,935 मेगावाट (5,695 मेगावाट की संकटग्रस्त तापविद्युत परियोजनाओं सहित) तापविद्युत क्षमता वर्तमान में निर्माणाधीन है। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2024-25 में 15,440 मेगावाट तापविद्युत क्षमता के लिए संविदा प्रदान किए जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त, 35,460 मेगावाट कोयला और लिंगनाइट आधारित संभावित क्षमता की पहचान की गई है, जो देश में नियोजन के विभिन्न चरणों में है।

पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के जून, 2025 तक विद्युत की औसत आवश्यकता एवं प्रतिदिन उत्पादन (एमयू/दिन) का विवरण।

वित्त वर्ष	ऊर्जा आवश्यकता	कुल उत्पादन
	(एमयू/दिन)	(एमयू/दिन)
2022-23	4147	4450.59
2023-24	4443	4751.62
2024-25	4641	5012.87
2025-26 (जून, 2025 तक)	4892	5230.25

टिप्पणी: प्रतिदिन एमयू की गणना वर्ष के दौरान कुल ऊर्जा आवश्यकता/उत्पादन को उस वर्ष के दिनों की संख्या से विभाजित करके की जाती है।

पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष 2025-26 (जून 2025 तक) के दौरान ऊर्जा के संदर्भ में विद्युत आपूर्ति की स्थिति का विवरण

वर्ष	ऊर्जा आवश्यकता	ऊर्जा की आपूर्ति की गई	अनापूर्तित ऊर्जा	%
	(एमयू)	(एमयू)	(एमयू)	
2022-23	1513497	1505914	7583	0.5
2023-24	1626132	1622020	4112	0.3
2024-25	1693959	1692369	1590	0.1
2025-26 (जून, 2025 तक)	445197	445040	157	0
